हिचकी

हिचकी

एलियट अपनी हिचकियों से किस प्रकार छुटकारा पायेगा?

एलियट अपने चचेरे भाई लुट्ज़ के साथ बढ़िया पिकनिक का मज़ा ले रहा है! तभी एलियट को हिचकियाँ आने लगती हैं और उसकी असहनीय दशा देख कर लुट्ज़ को खूब हँसी आती है.

जंगल के सारे प्राणी एलियट को हिचकियों से छुटकारा पाने के लिए कई उपाय बताते हैं. शायद साँस रोकने से हिचकियाँ रुक जाएँ? या खूब सारा पानी पीने से? या सिर के बल खड़े होने से? लेकिन जब एलियट ने लगभग हार मान ही ली तब लुट्ज़ की भूल से उपाय मिल जाता है.

क्या लुट्ज़ यह शिक्षा ग्रहण करेगा कि उसे अपने भाई का मज़ाक नहीं उड़ाना चाहिए था?

कई बार जब आप बहुत तेज़ी से कुछ खाते है या कुछ बोलते हैं तो आपके साथ विचित्र घटना घट सकती है....जैसा एलियट भालू के साथ हुआ जिसे हिचकियाँ आनी शुरू हो गईं. और क्योंकि हिचकियाँ रुक न रही थीं एलियट बहुत चिड़चिड़ा हो गया.

उसे इस बात पर अधिक गुस्सा आ रहा था कि उसके चचेरे भाई लुट्ज़ को, जो उसे मिलने आया था, हिचकियाँ नहीं आ रही थी और वह उसका मज़ाक उड़ा रहा था.
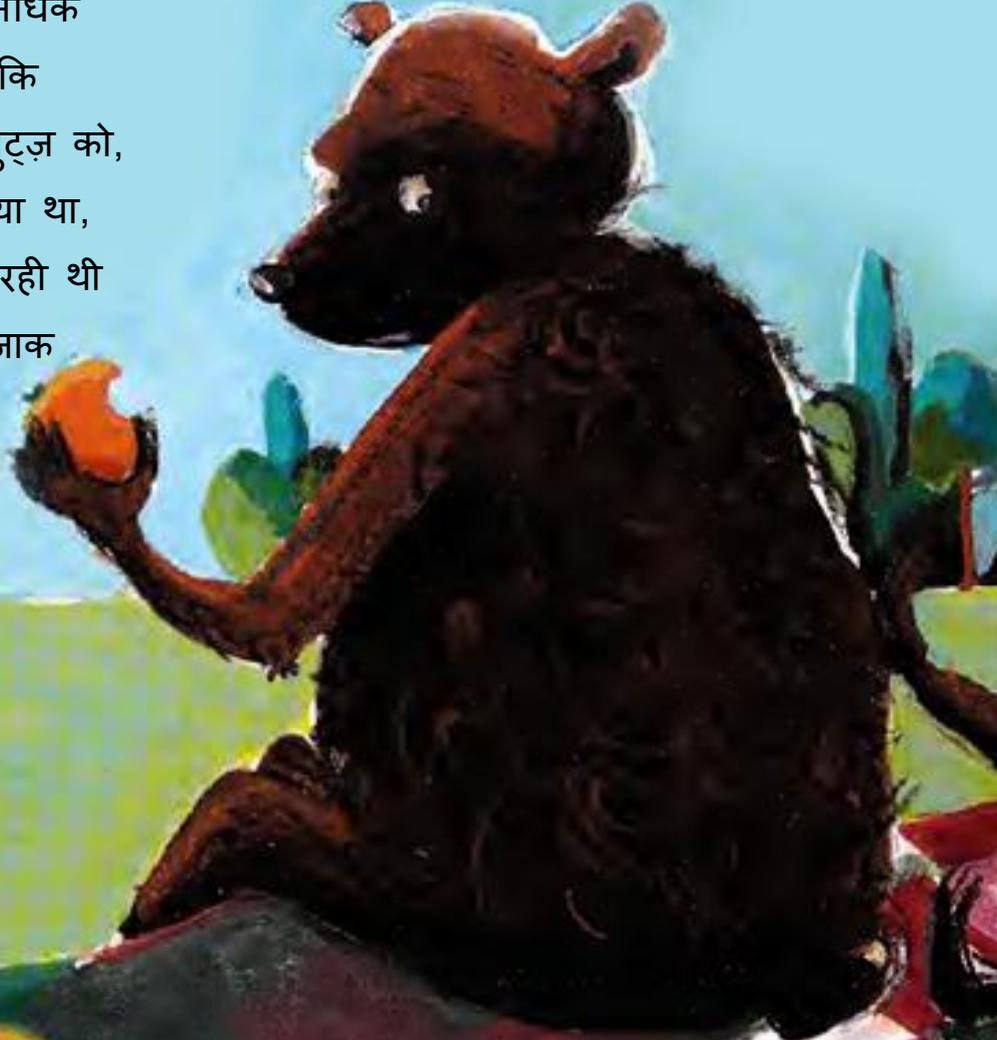
एलियट ने सोचा कि अगर वह दोनों थोड़ा टहलते हैं तो निश्चय ही हिचकियाँ रुक जायेंगी. लेकिन वह गलत सोच रहा था!
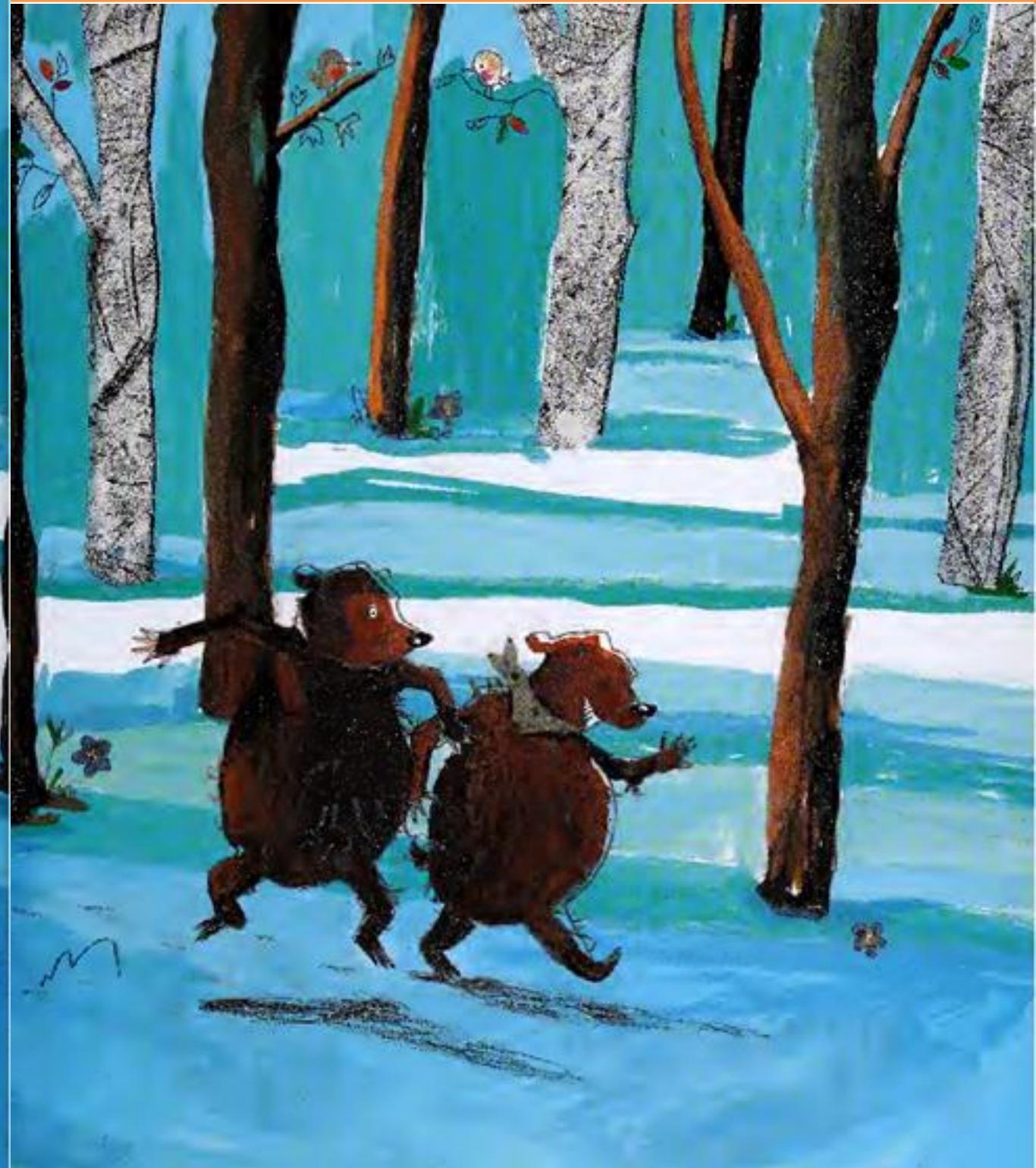
एक गिलहरी ने एलियट की
हिचकियाँ सुनी और कहा,
“अपनी साँस रोक लो और मन में
दस तक गिनती गिनो!”
लेकिन नहीं! दस तक गिनती
गिनने से भी हिचकियाँ
बंद नहीं हुईं....इससे लुट्ज़ को
और भी मज़ा आया और
वह ज़ोर से हँसता रहा.

एक तालाब में मेंडक तैरने का खूब परिश्रम से अभ्यास कर रहा था. जब उसने एलियट की हिचकियों की आवाज़ सुनी तो बोला, “तुम्हें एक साथ बहुत सारा पानी पीना चाहिए!”
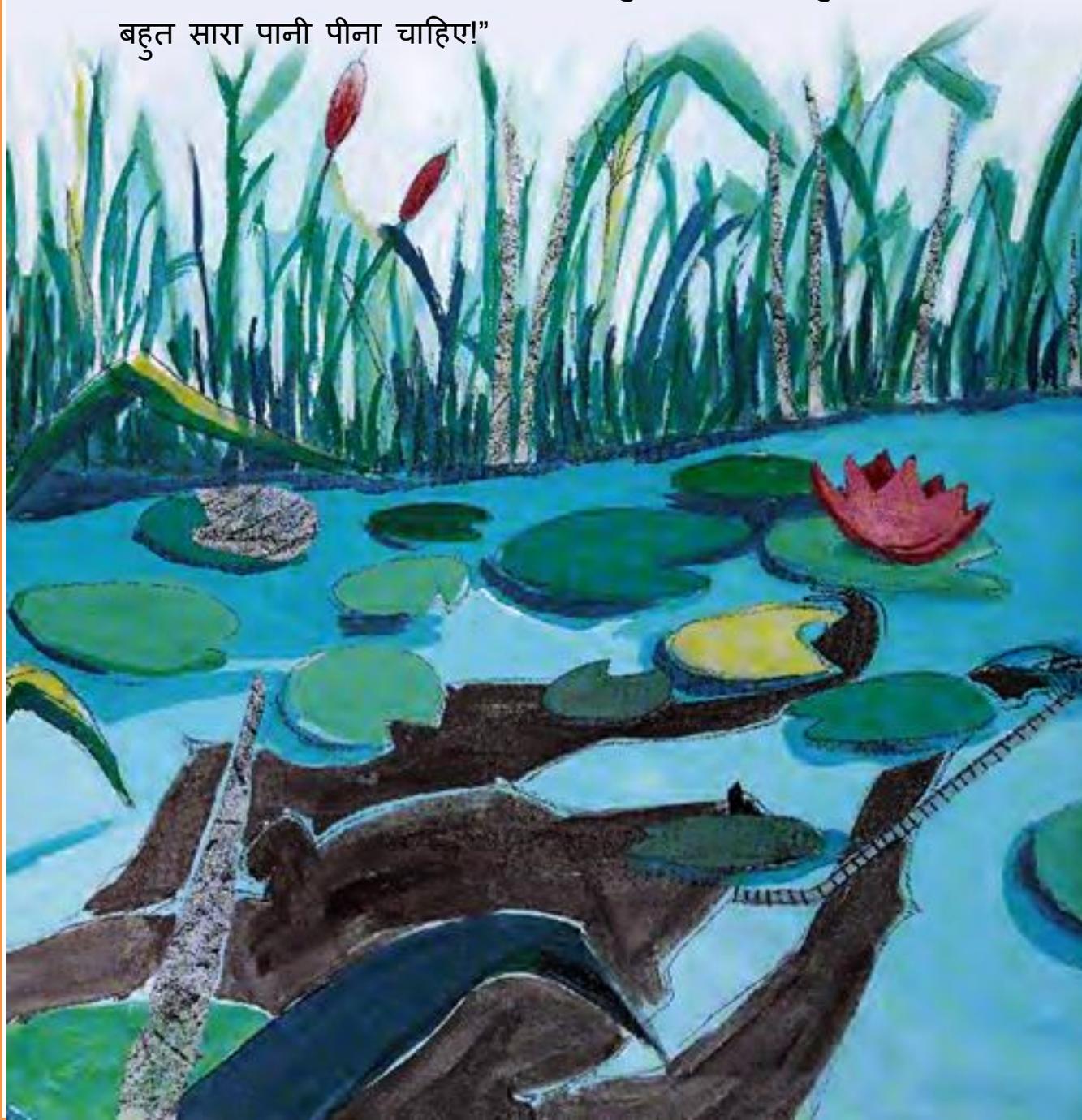
लेकिन नहीं! हिचकियाँ नहीं रुकीं.
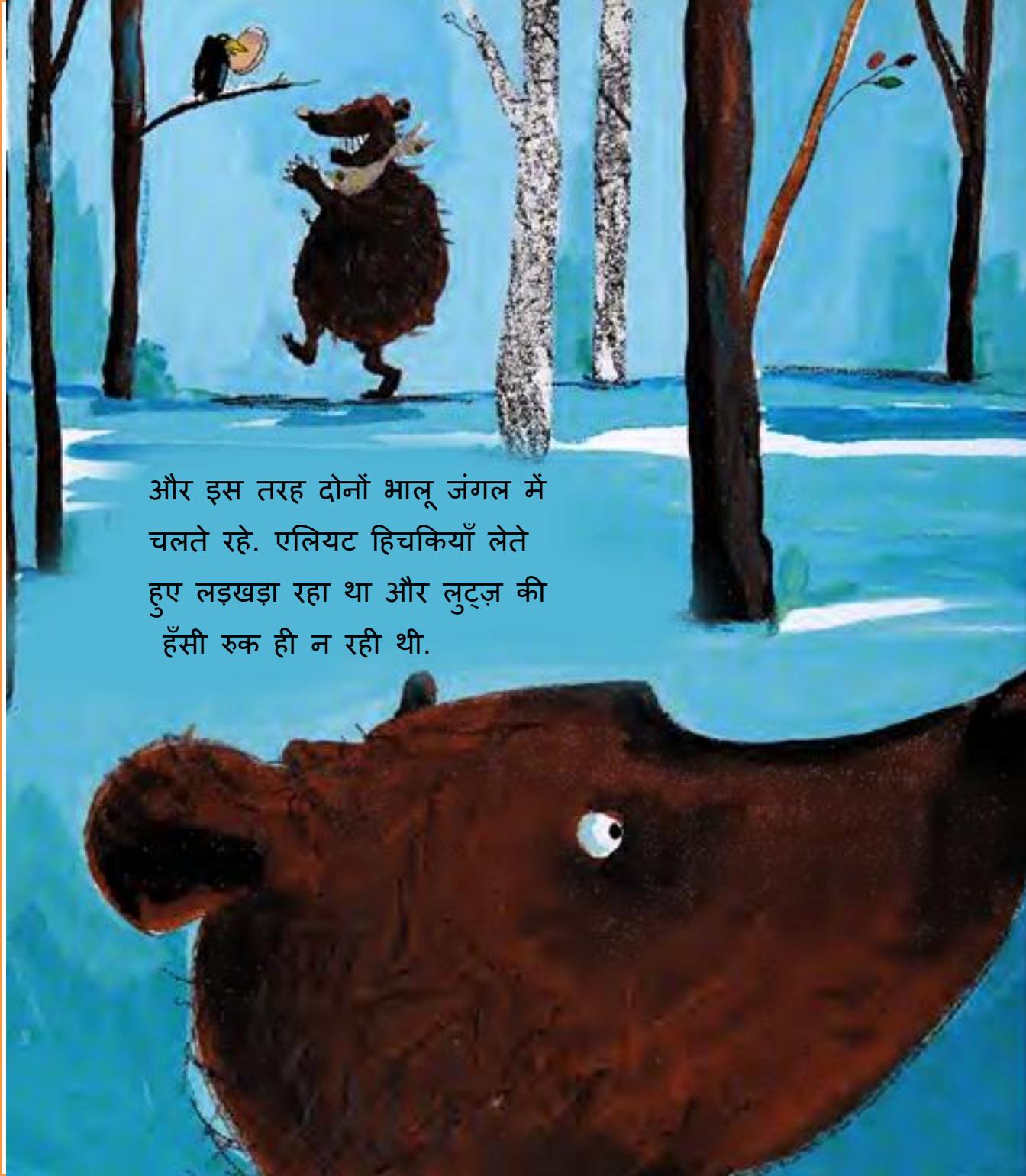
और इस तरह दोनों भालू जंगल में चलते रहे. एलियट हिचकियाँ लेते हुए लड़खड़ा रहा था और लुट्ज़ की हँसी रुक ही न रही थी.
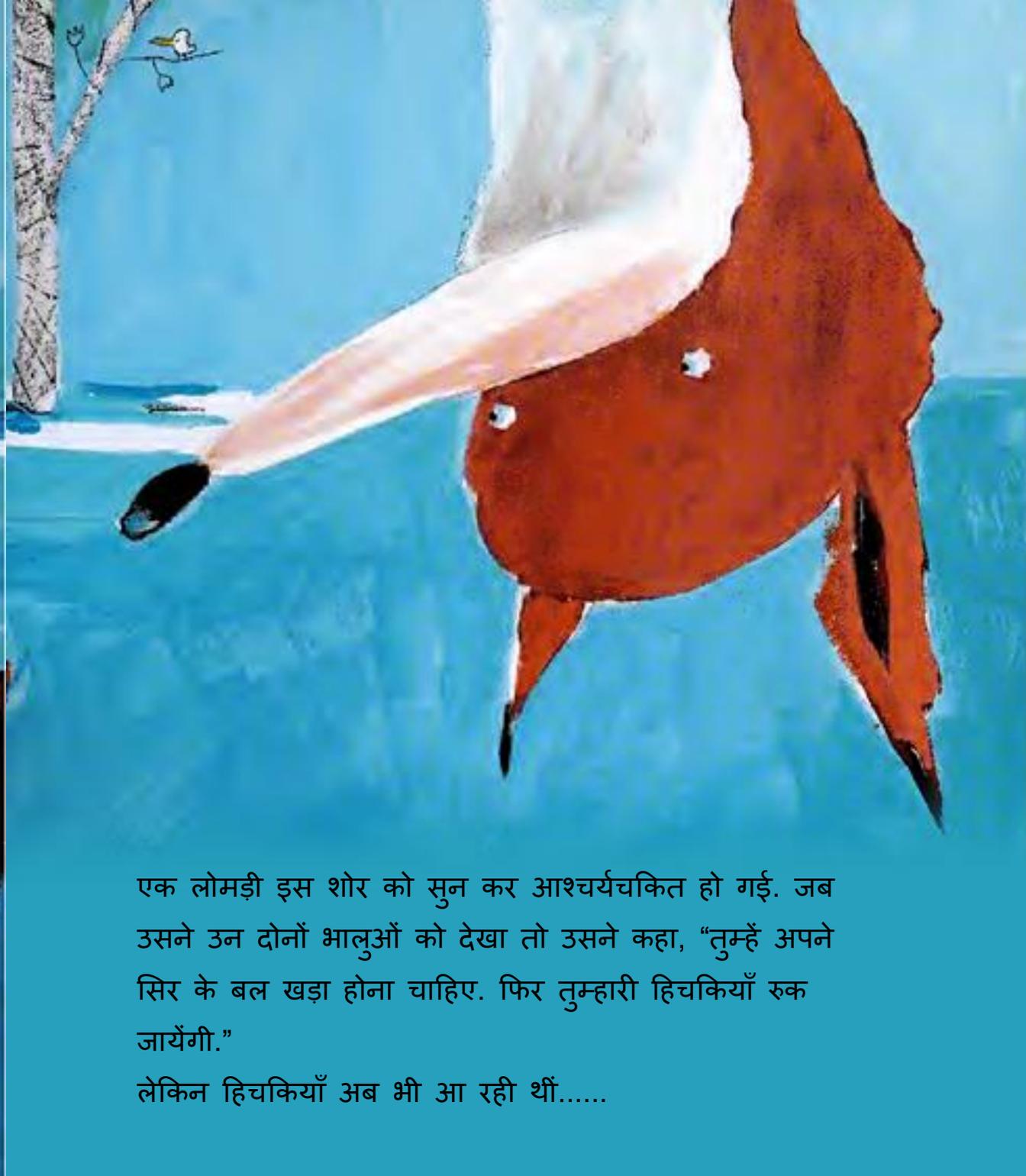
एक लोमड़ी इस शोर को सुन कर आश्चर्यचकित हो गई. जब उसने उन दोनों भालुओं को देखा तो उसने कहा, "तुम्हें अपने सिर के बल खड़ा होना चाहिए. फिर तुम्हारी हिचकियाँ रुक जायेंगी."

लेकिन हिचकियाँ अब भी आ रही थीं......
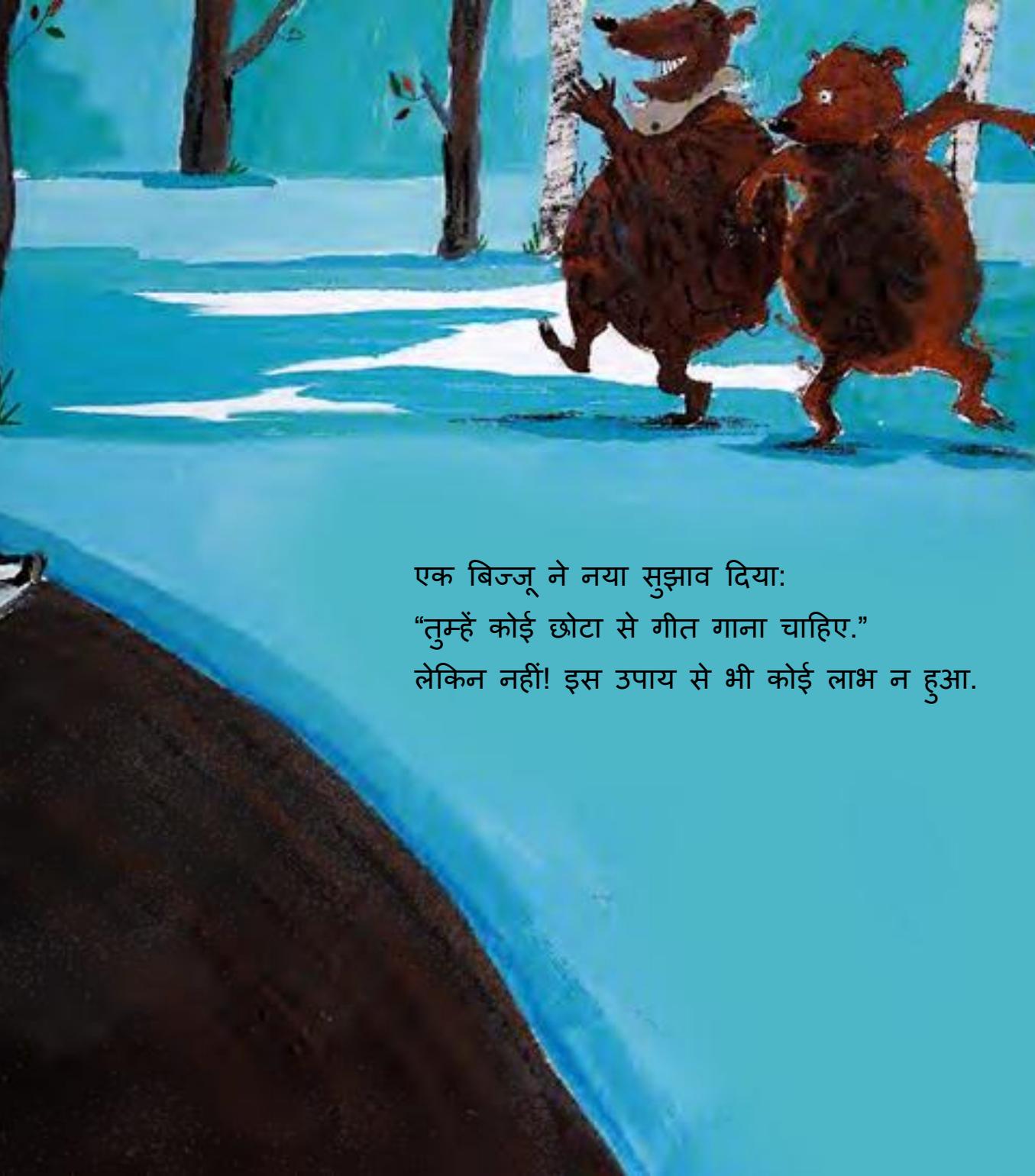
एक बिज्जू ने नया सुझाव दिया:

“तुम्हें कोई छोटा से गीत गाना चाहिए.”

लेकिन नहीं! इस उपाय से भी कोई लाभ न हुआ.
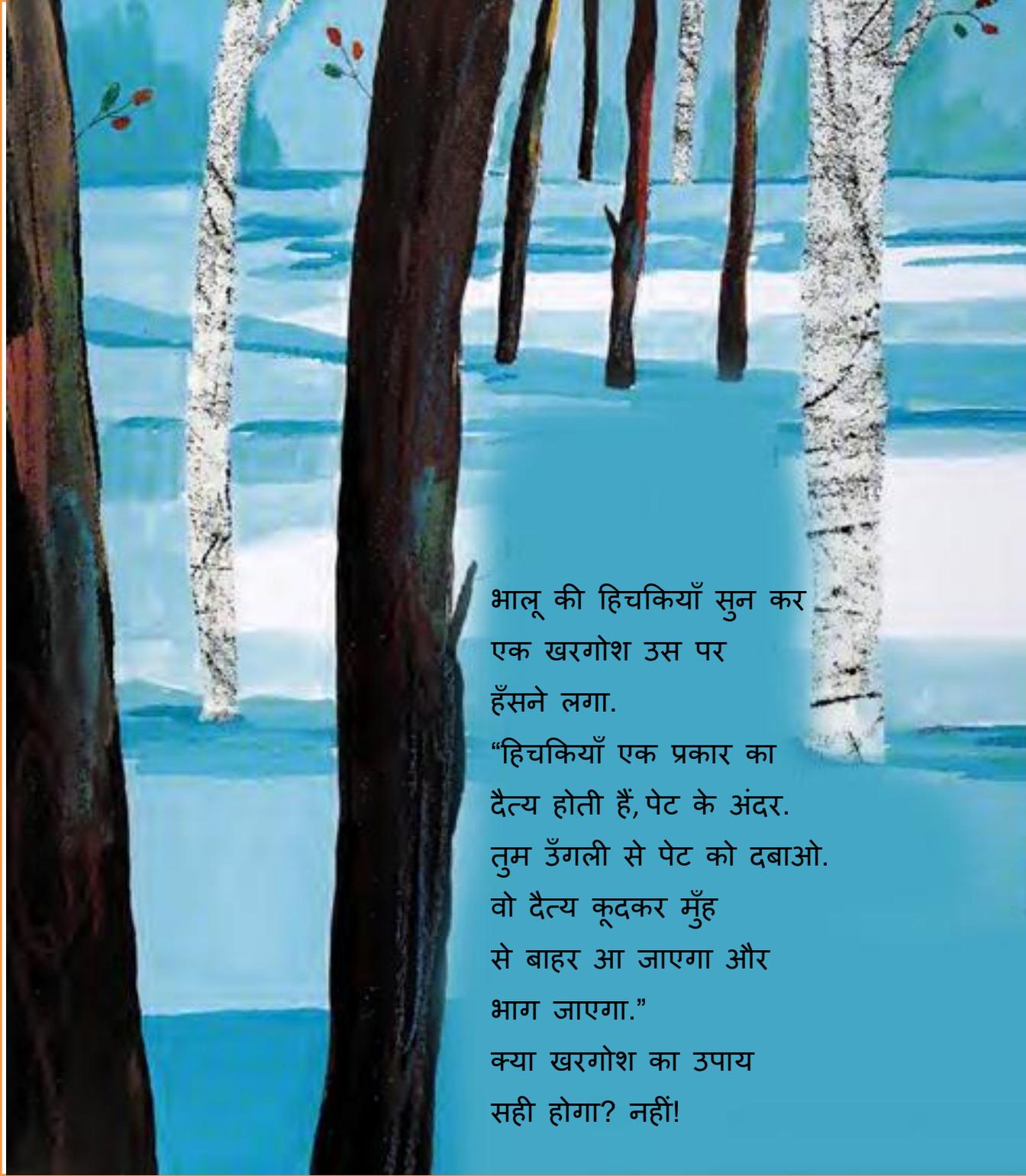
भालू की हिचकियाँ सुन कर
एक खरगोश उस पर
हँसने लगा.
"हिचकियाँ एक प्रकार का
दैत्य होती हैं, पेट के अंदर.
तुम उँगली से पेट को दबाओ.
वो दैत्य कूदकर मुँह
से बाहर आ जाएगा और
भाग जाएगा."
क्या खरगोश का उपाय
सही होगा? नहीं!
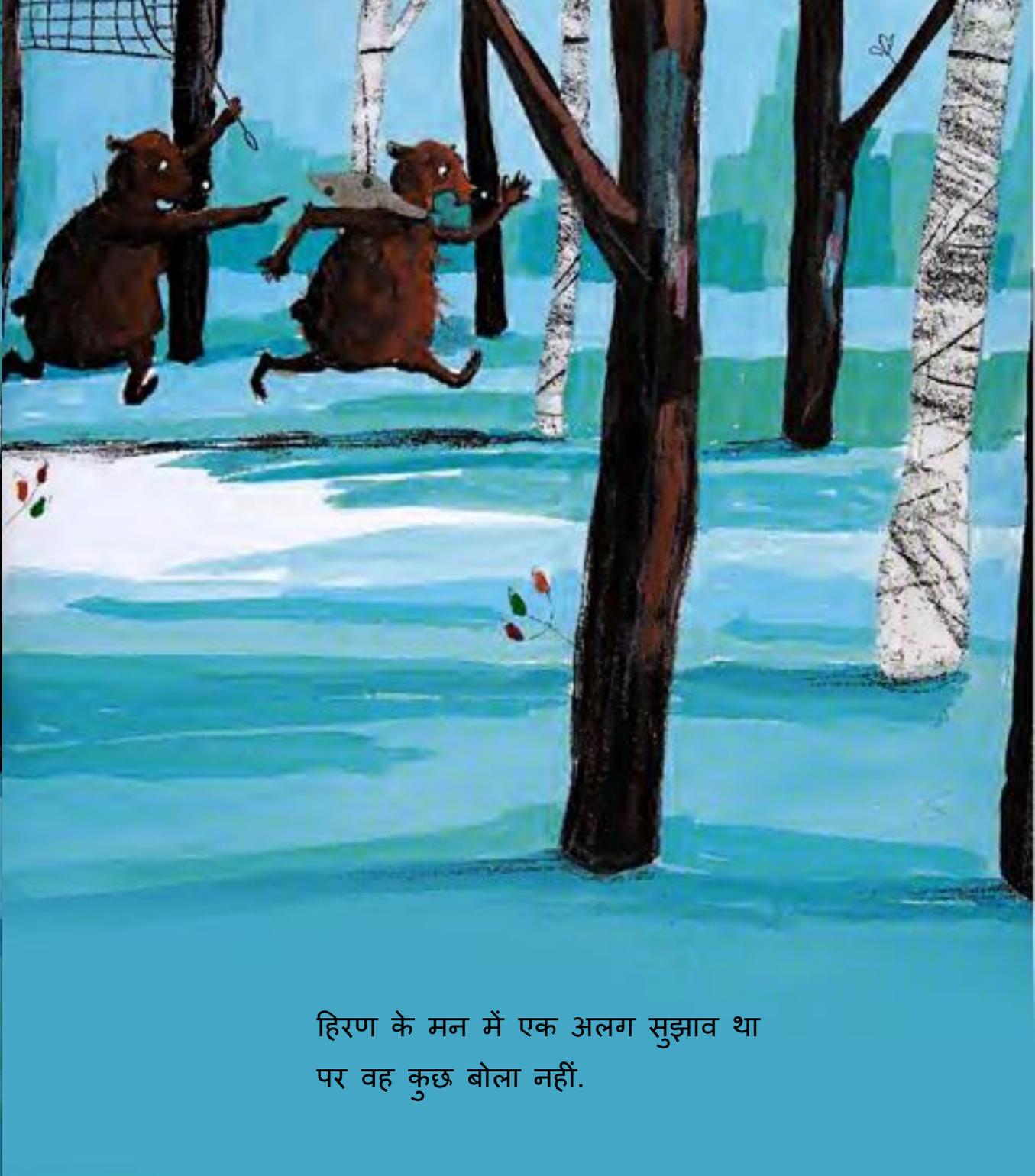
हिरण के मन में एक अलग सुझाव था
पर वह कुछ बोला नहीं.
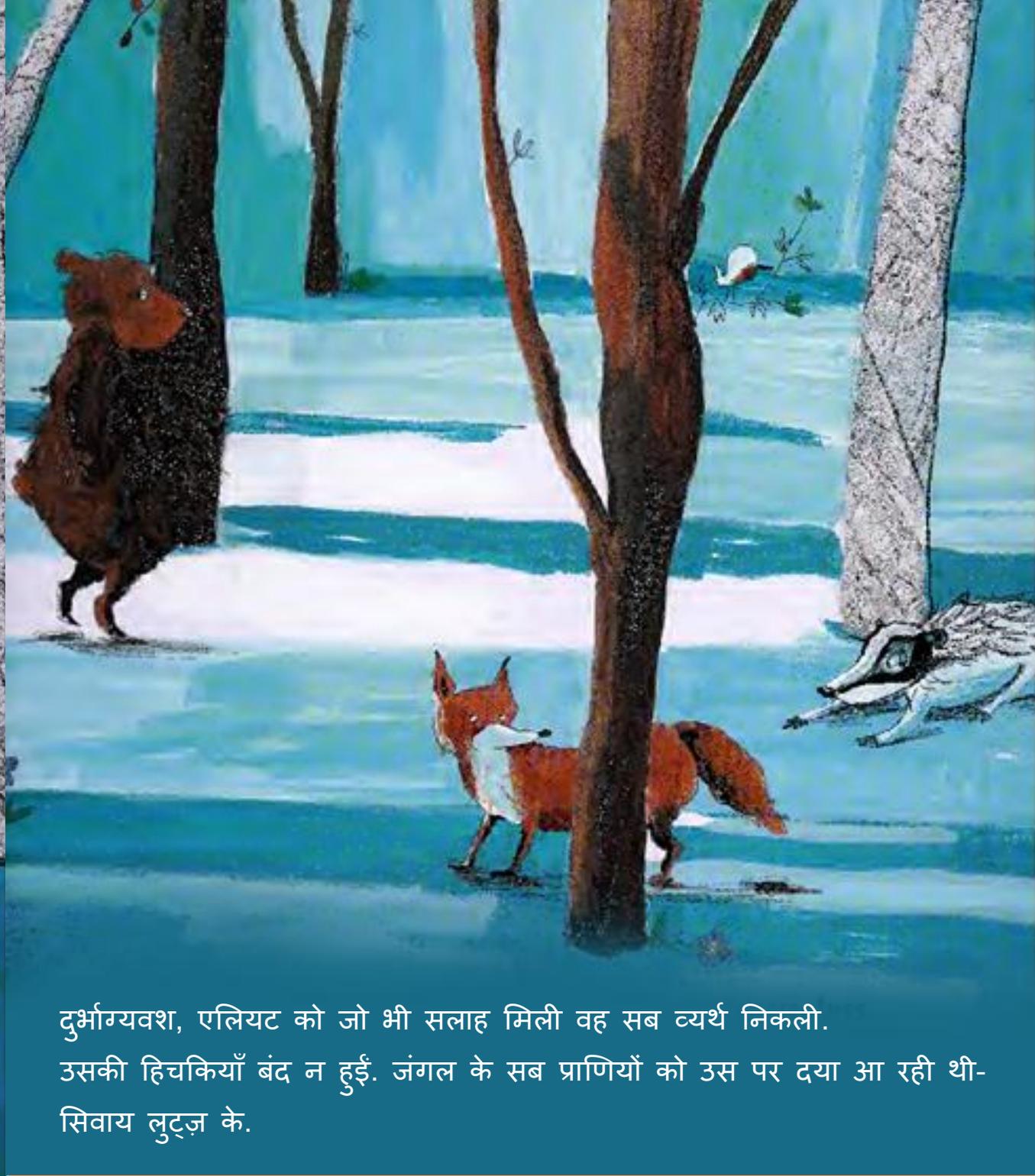
दुर्भाग्यवश, एलियट को जो भी सलाह मिली वह सब व्यर्थ निकली.
उसकी हिचकियाँ बंद न हुईं. जंगल के सब प्राणियों को उस पर दया आ रही थी-
सिवाय लुट्ज़ के.

हँसते हुए लुट्ज़ ने ध्यान ही न दिया और
उसका एक पाँव एक छड़ी पर जा पड़ा.
और *बम बड़म* लुढ़क कर वह ज़मीन पर
गिर गया. एलियट चौंका और उसकी साँस अटक गई.
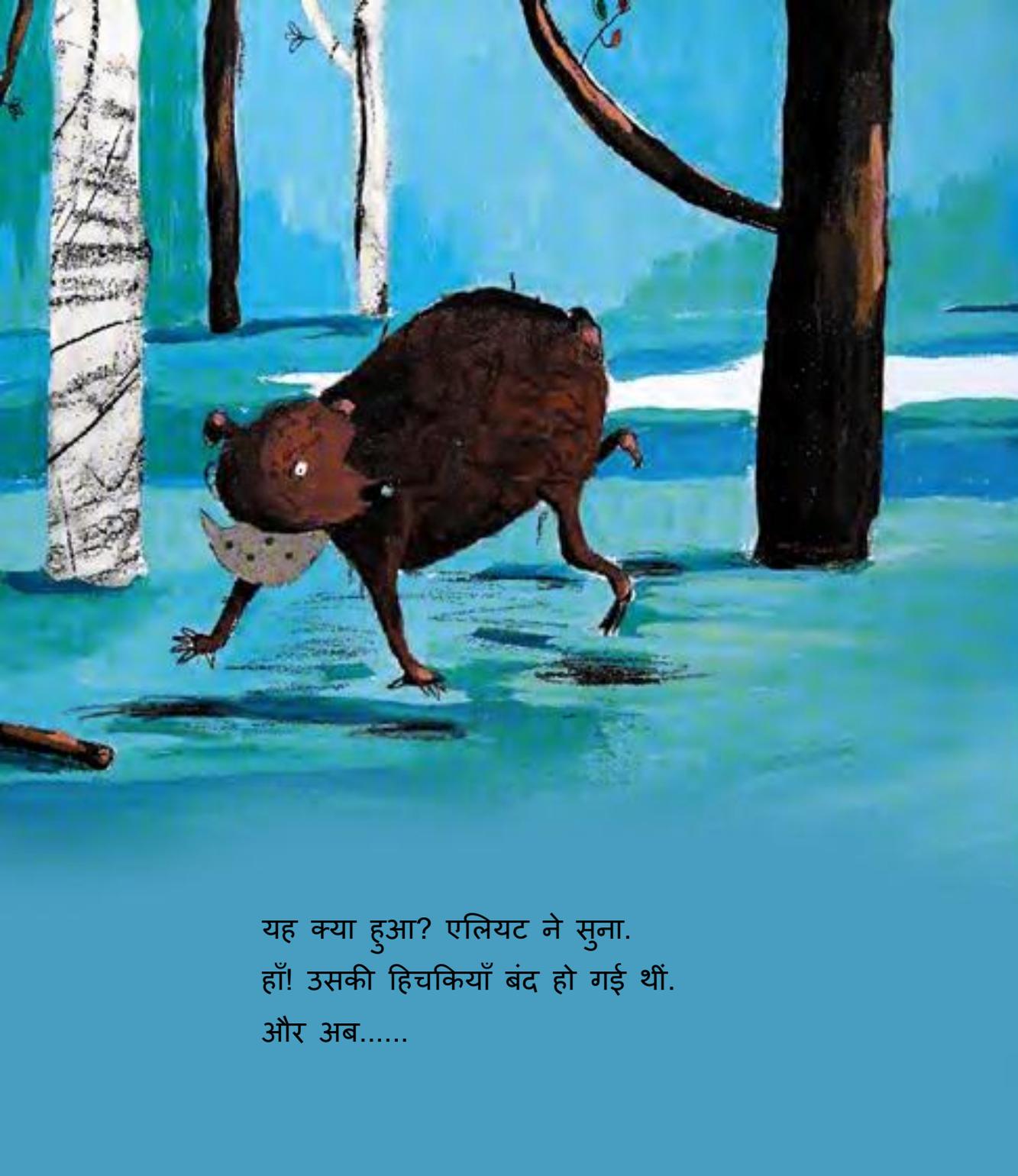
यह क्या हुआ? एलियट ने सुना.
हाँ! उसकी हिचकियाँ बंद हो गई थीं.
और अब......

किसी और को हिचकियाँ आ रही थीं!